राज कॉमिक्स विशेषांक

मूल्य 40.00 संख्या 610

सुपर इंडियन

संजय गुप्ता पेश करते हैं

सुपर इंडियन

लेखक : तरुणकुमार वाही
परिकल्पना : विवेक मोहन
कला निर्देशक : दिलीप चौबे
चित्र : ललित कुमार शर्मा
इंकिंग : जगदीश कुमार
सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय
संपादक : मनीष गुप्ता

हर जिन्दा प्राणी की तरह एक दिन मेरा भी अंत होगा! मगर मेरा दृढ़ विश्वास है कि किसी अपराधी या आतंकवादी के हाथों नहीं, ये अंत प्राकृतिक होगा! और मैं अपने इस विश्वास या CONFIDENCE को टूटने नहीं दूंगा!

अपराध और आतंकवाद के भयानक जबड़ों को तोड़ डालने के लिए जन्म हुआ है मेरा! उसे तोड़ूंगा!

©RAJA POCKET BOOKS

visit us at:@ www.rajcomics.com
email: rajcomics2000@yahoo.co.in

जब किसी स्थान पर इंसान बढ़ जाता है तो उसका दायरा भी बढ़ जाता है! उसकी मूल भूत सुविधाएं बढ़ जाती हैं! दुविधाएं बढ़ जाती हैं! जरूरतें बढ़ जाती हैं, अपराध बढ़ जाते हैं तो इसे रोकने के लिए कानून बढ़ जाते हैं! घटनाएं बढ़ जाती हैं! दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं -

वो... वहां टॉप पर देखो! कुछ आप सी उड़ रही है!

अरे बाप रे! बिल्डिंग इतनी ऊंची है कि इसे देखने हुए तो मेरी टोपी ही गिर गई!

कुकर की सीटी की सी भाप है!

अभी तक विश्व की सबसे ऊंची बिल्डिंग होने का गौरव मलेशिया में कुआलालम्पुर की पैट्रोनास टावर्स को मिला हुआ था, जिसकी ऊंचाई 452 मीटर है और मंजिलें है 88

ये मैट्रो टावर्स तो गजब की ऊंची है! जिसकी ऊंचाई है 752 मीटर और मंजिलें हैं 150!

इस पर चढ़कर तो इन्द्र के दरबार में भी झांक सकते हैं!

मामूली आप इतनी ऊंचाई पर दिखाई नहीं देती!

मगर वो आप कैसी है?

मेरे विचार में वो धुआं है!

धुआं?

कमाल की बिल्डिंग बनाई आपने मिस्टर गुप्ता!

वो मैट्रो टॉवर की छत से तुरन्त पूरी मैट्रोसिटी देखना चाहता था !

उसमें सब्र नाम की चीज नहीं है।

वो सबकी नजर बचाकर अंदर चला गया होगा! और न जाने इस वक्त किस फ्लोर पर होगा !

सर! कोई लिफ्ट से ऊपर चला गया है! लिफ्ट टॉप फ्लोर पर है!

वो मेरा बेटा होगा! नमन ही होगा वो !

धुआं है तो आग भी होगी!

आग लगी है तो स्मोक डिटेक्टर ने कंट्रोल रूम को संकेत भी भेजे होंगे!

लेकिन अभी वहां कोई नहीं होगा! बिल्डिंग का उद्घाटन होने में कुछ घंटे बाकी हैं!

कंट्रोल रूम में जाकर देखना होगा!

अंदाजा ठीक है! टॉप फ्लोर पर भारी आग लगी है!

सेटेलाइट कैमरों से भी ये आग दिखाई दे रही है!

म... मेरा बेटा नमन कहां गया ?

Now Raj Comics available on indiatimes.com

पापा !

म्याऊं !

आग लगी कैसे ? लगी तो फैली कैसे ? ये स्मार्ट बिल्डिंग है ! जहां सबकुछ कंप्यूटराइज्ड है ! आग लगते ही ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर सिस्टम चालू क्यों नहीं हुआ, जो आग को तुरन्त बुझा देने के लिए लगाया गया है ! खतरे का अलार्म क्यों नहीं बजा ?

मैट्रो टॉवर में हीट सेंसर लगे हैं ! आग लगते ही फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस को अपने आप खबर मिल जानी चाहिए थी ! वो अभी तक पहुंची क्यों नहीं ?

फायर ब्रिगेड आ गई सर !

लेकिन इनके पास इतनी ऊंची लैडर भी होगी या नहीं !

POLICE

आप घबराएं नहीं मिस्टर गुप्ता ! शहर में जब भी कोई बिल्डर पहले से भी ऊंची कोई नई बिल्डिंग बनाता है तो हम अपनी चेयर लिफ्ट की ऊंचाई को उस बिल्डिंग की ऊंचाई तक तैयार करा लेते हैं !

YOU COME ON!

स्काई लिफ्ट ऊपर पहुंच चुकी है सर! हम बच्चे तक पहुंच गए हैं! बच्चा और उसकी बिल्ली दोनों सुरक्षित हैं!

FIRE

स्काई लिफ्ट को नीचे उतारो! हम बच्चे को नीचे ला रहे हैं!

FIRE

धड़ाम!

FIRE

आऽऽह

म्याऊं

स्काई लिफ्ट टूट गई!

इतनी ऊंचाई से गिरता बच्चा किसी को नहीं दिखा था। मगर किसी गड़-बड़ का अहसास हो गया था-

ओफ्फ टूट गई है। कोई नीचे गिरा है। मगर वो होगा कौन?

जाल फैलाओ!

ऊंचाई इतनी ज्यादा है कि वो नीचे तक जिन्दा नहीं पहुंचेगा!

ओफ्फ भी टूटकर नीचे गिर गई है!

ओफ्फ!

यमराज की नजर पड़ गई है इन पर! इन्हें तो अब स्वयं भगवान भी नहीं बचा सकते!

किसी और की नजरें भी पड़ी थीं मौत के इस मंजर पर-

मैट्रोसिटी सैटेलाइट और ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम के जरिए सीधे मुझसे जुड़ी हुई है!

PLAZA

POLO

... इस पर मंडराते धुएं, खतरे और अपराध के बादल में तुरन्त देख सकता हूं!

मैट्रोसिटी मेरी अपनी सिटी है!

इसे किसी भी आपात स्थिति से साफ रखना मेरी ड्यूटी है!

अपनी ड्यूटी पूरी करने के लिए मैं उछलकर कहीं भी पहुंच सकता हूं!

नीचे गिरता बच्चा आग में से होकर गुजरे और उसकी मासूमियत झुलस जाए... उससे पहले ही मुझे उसे रोकना होगा!

और -

गुड क्वॉथ! कस कर पकड़े रहना...

... क्योंकि अभी मुझे तीन और जानें...

गऊ!

... बचानी है!
बाऊ!
ओफ्फ
अक्
ये तो कमाल है!
कमाल की चीज बोलो!
वंडरमैन!
वंडरमैन तो परमाणु है! ये कोई और है!
करिश्मा है!
करिश्मा तो कपूर है! ये कोई और है!
मैं सीधा जाल पर गिरूंगा!
ये तो अजूबा है!
दुनिया में अजूबे सात ही हैं! ये कोई और है!
भगवान का दूत है ये! सीधा स्वर्ग से आया है!
स्वर्ग से आया नहीं जाता, वहां तो जाया जाता है! ये कोई और है!

लोहे का ये विशाल टुकड़ा नीचे सड़क पर नहीं गिरना चाहिए!

भागो!

स्काई लिफ्ट का टुकड़ा नीचे गिर रहा है!

उसने एक और बड़े खतरे का मुंह मोड़ दिया है!

कहीं ये सुपर-मैन तो नहीं?

वो तो अमेरिका में है! ये विशुद्ध भारतीय है! ये कोई और है.

क्या ये उड़ रहा है?

नहीं! मुझे तो ये उसकी छलांग लग रही है!

सुपर जम्प!

धड़ाम!

हाईटेक मैट्रोसिटी में आपदाओं से निबटने के तरीके भी हाईटेक थे-

स्पेस फायर ब्रिगेड आ गई है! अब तो आग भी बुझ जाएगी!

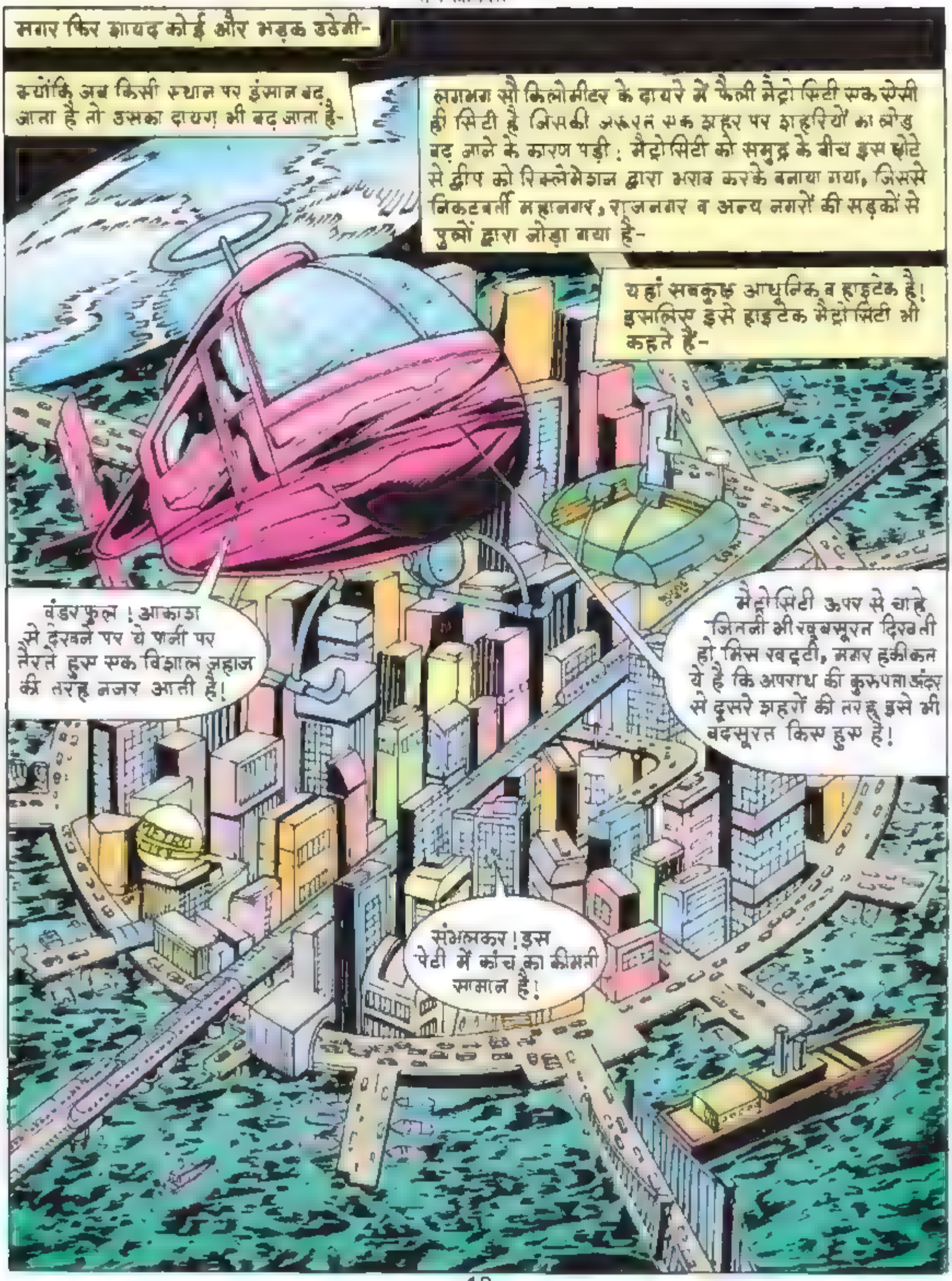
मगर फिर शायद कोई और भड़क उठेगी-
क्योंकि जब किसी स्थान पर इंसान बढ़ जाता है तो उसका दायरा भी बढ़ जाता है-
लगभग सौ किलोमीटर के दायरे में फैली मैट्रोसिटी एक ऐसी ही सिटी है जिसकी जरूरत एक शहर पर शहरियों का बोझ बढ़ जाने के कारण पड़ी : मैट्रोसिटी को समुद्र के बीच इस छोटे से द्वीप को रिक्लेमेशन द्वारा भराव करके बनाया गया, जिससे निकटवर्ती महानगर, राजनगर व अन्य नगरों की सड़कों से पुलों द्वारा जोड़ा गया है-
यहां सबकुछ आधुनिक व हाइटेक है! इसलिए इसे हाइटेक मैट्रोसिटी भी कहते हैं-
वंडर फूल ! आकाश से देखने पर ये पानी पर तैरते हुए एक विशाल जहाज की तरह नजर आती है!
मैट्रोसिटी ऊपर से चाहे जितनी भी खूबसूरत दिखती हो मिस रबड़टी, मगर हकीकत ये है कि अपराध की कुरूपता ऊंचे से दूसरे शहरों की तरह इसे भी बदसूरत किए हुए है!
संभलकर ! इस पेटी में कांच का कीमती सामान है!

ये तभी गिर सकती है जबकि क्रेन का हुक टूट जाए!

उसमें आर. डी. एक्स. भी है, भागो!

ये फट गई तो तबाही आ जाएगी!

क्लिंक

क्रेंक

चलो! सच्चाई तुम्हारे मुंह से उगलवाने की मुझे जरूरत नहीं पड़ी!

!

मौत के डर से वो खुद व खुद तुम्हारी झोली पर आ गई!

और जब नवाबी के दो दूत आमने-सामने होते हैं...

... तो जीत उसी की होती है, जो बड़ा होता है!

और इस वक्त मैं इस बारूद से बड़ा हूं!
क्योंकि तबाही उस पेटी में भरा बारूद नहीं, मैं तुम्हारे लिए लाया हूं!

अरे! ये नीचे क्या हो रहा है?

ओ माई गॉड!

क्या हुआ मिस रैंचटी?

इस वक्त हम कितनी ऊंचाई पर हैं?

तुम आसानी से मैट्रो सिटी को शूट कर सको इसलिए हम अधिक ऊंचाई पर नहीं हैं!

करीब दो सौ फुट समझो! मगर तुम चौंक क्यों रही हो?

मेरे चौंकने का कारण वो आदमी है! देखो!

आह!

कहानी 19 पेज से आगे

वो वापस नीचे गया ?

मगर वो ऊपर कैसे आया था ? क्या उसे किसी ने तोप में भरकर दागा था !

वो जीती-जागती तोप है !

हैलीकॉप्टर नीचे उतारो !

आर. डी. स्कस लास हो ?

मैट्रो सिटी में आर. डी. स्कस. लास हो ?

उसे तबाह करोगे !

WHAOO
गजब !
बर्दाश्त नहीं कर सकता !

धरती के किसी भी कोने में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं कर सकता मैं!

कड़ड़ड़

गड़ड़ड़

FIRE

A HERO OF METRO CITY!

वाऊ! व... व... व हू हू हू! जंगली विलेन बीच में कहां से आ गया?

गड़ड़ड़

FIRE

फिस्स्स्स!!!

ये सिलेंडर ठीक जगह पर मिल गया!

ssssssss
खट्टी से उलझेगा तो तेरे दांत खट्टे हो जायेंगे! हट पीछे!
तू भागकर कहां चला?
HELP!
स्किsssss
बाऊ!
घबराओ नहीं!

वाऊ! एक और सुपर हीरो! ये तो मेरी ही तरफ आ रहा है!

आ गया!

शायद ये मेरी बहादुरी से IMPRESS हो गया है!

अरे! ये तो मेरा हाथ पकड़ रहा है! WHAOOO!

य... ये क्या कर रहे हो? उफ!

ये क्या बदतमीजी है? ओफ्फ!

मुझे ऐसी बदतमीजी करने पर तुमने मजबूर किया है!

हं... हां, मेरी खूबसूरती मनचलों को तो ऐसी बदतमीजी करने पर मजबूर करती है, लेकिन क्या तुम भी उनमें से एक हो? और गलती से मैं तुम्हें सुपर हीरो समझ बैठी थी!

अगर मैं ऐसी बदतमीजी नहीं करता तो तुम और तुम्हारा वीडियो कैमरा इस बकवास समुद्र के पानी में डुबकियां लगा रहे होते

खूबसूरत बदतमीजी!

मुझे शूट करते-करते तुम पीछे हट रही थीं, और तुम्हारे और पीछे सरकने के लिए पीछे जगह नहीं थी!

ओ माई गॉड!

आई एम सॉरी ! मैंने...

...अरे !

कहां गया ?

वहां !

ओ माई गॉड ! ये तो कंगारू से भी ऊंचा उछलता है !

मेट्रो सिटी में पुलिस दूसरे शहरों की अपेक्षा थोड़ा जल्दी पहुंचती है-

ओ माई गॉड ! किसने किया ये सब ?

मैंने ये सब देखा और शूट किया !

उसने नाम नहीं बताया !

लेकिन उसका काम आप देख सकते हैं!

वो एक चक्रवाती तूफ़ान की तरह था! आ आया और गया!

गड़ड़ड़

आर. डी. एक्स!

RDX

इन लोगों की सूरतें और आर. डी. एक्स. की यहाँ उपस्थिति ये बात साफ कर रही है कि वो जो कोई भी थ... उसका निशाना ये आतंकवादी थे, जो किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने यहां आए थे!

ये मर चुका है, सर!

मुखर नूम कौन हो?

ये मेरी बेटी है! सब प्यार से इसे मिस खट्टी कहते हैं! मैं भी यही कहता हूं! शायद मुझे अपना परिचय नहीं देना पड़ेगा!

अरे विक्रांत सर आप! आपको कौन नहीं जानता! आप ही तो हैं जिसने नैट्रो सिटी का न सिर्फ सपना देखा, बल्कि एक ना मुमकिन से लगने वाले इस प्रोजेक्ट को साकार भी किया!

बुलन्द हौंसलों वाला कोई विरला इंसान ही ऐसा कर सकता है!

मगर आप लोग यहां क्या शूट कर रहे हैं?

शूट में नहीं, मेरी बेटी कर रही थी!

इसके शौक अजीब हैं!

ये सुपर हीरोज पर थीसिस लिखती है!

दिल्ली में परमाणु और तिरंगा! मुंबई में डोगा! राजनगर में सुपर कमांडो ध्रुव! और इंस्पेक्टर स्टील, महानगर में नागराज! रूपनगर में गंथोनी!

ये सभी सुपर हीरोज पर थीसिस लिख रही है!

लेकिन इसकी अधिकांश थीसिस अपूर्ण रह जाती है। क्योंकि इनमें से अधिकांश सुपर हीरोज की आइडेंटिटी छिपी हुई है!

आज ये जिद्द करने लगी कि हाईटेक मैट्रो सिटी के बारे में लिखेगी!

मगर मुझे लगता है कि अब इसे यहां आकर एक नया हीरो मिल गया है! अपनी नई थ्रीलिंग के लिए!

हां! वो राजन का है पापा!

सॉरी विक्रांत साब! मुझे अफसोस है कि इस बार इसे ज्यादा पन्ने लिखने का अवसर नहीं मिलेगा!

क्यों इंस्पेक्टर?

मैं... इंस्पेक्टर कानरबजूरे!

अपराध के जिस्म से चिपक जाऊं तो उसका खून निचोड़ लूं!

मिस खबड़ी! ये मैट्रोसिटी है! इसे भारत की दूसरी मिटिज या कहूं कि दूसरे महानगरों से बिल्कुल जुदा बनाया गया है!

जो दूसरे महानगरों में होता रहा, वो यहां सब नहीं होने दिया जाएगा!

यहां की पुलिस सख्त है! कानून सख्त है! नागरिकों के लिए भी और अपराधियों के लिए तो बहुत बुरे हैं!

पुलिस को कुछ ज्यादा अधिकार दिए गए हैं!

मेरे जैसे इंस्पेक्टर के 'रैंक' के 'अफसर' को AT THE SPOT निर्णय लेने का अधिकार है!

मैं अपने विवेक से अपराधी को उसके अपराध के मुताबिक तुरन्त सजा दे सकता हूं!

मुझे किसी प्री-प्लान्ड या ब्रूटल मर्डरर को तुरंत गोली मार देने का आदेश प्राप्त है!

अगर हत्या किसी आकस्मिक कारण से हुई है और खूनी क्रिमिनल माइंडेड नहीं है तो मौत की इस सज़ा को मैं तुरंत चार्ज शीट बनाकर कम भी कर सकता हूँ!

ये मेरे विवेक पर होगा! मैं सिर्फ एक इंस्पेक्टर नहीं हूं! मुझे एक जज की पदवी भी सौंपी गई है.

आई. पी. एस. का सब्जाम पास कर लेने से यहां नौकरी नहीं मिलती विक्रांत साब! पुलिस इंस्पेक्टर की कुर्सी यहां लॉ डिग्री के बाद मिलती है! पुलिस ट्रेनिंग में उसके बौद्धिक स्तर की जबरदस्त जांच होती है!

यहां इंस्टेंट जस्टिस पद्धति चलती है!

यानी तुरंत न्याय!

आप मैट्रोसिटी के निर्माता हैं! बहुत कुछ हैं! आगे और भी आप जानेंगे!

संक्षेप में मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि मैट्रोसिटी में पुलिस को एक सुपर हीरो वाले सभी अधिकार दिए गए हैं!

तो फिर सुपर हीरो की जरूरत किसलिए?

यहां मैट्रोसिटी में सुपर हीरो कांसेप्ट को हमें बिल्कुल खत्म करना है विक्रांत साब!

दुर्भाग्यिस तुमसे कह रहा हूं मिस खट्टी कि कम से कम इस सुपर हीरो पर थीसिस मत लिखना!

कुछ हासिल नहीं होगा!

सर! सभी लाशों पोस्टमार्टम के लिए भेजी जा चुकी हैं! और बलमानुष का चिड़ियाघर! कांच के सामान की आड़ में आर. डी. एक्स. यही लोग अपने साथ लाए थे! इस बात की जांच की जा चुकी है!

अब तुरंत एक कार्यवाही करो! उस हत्यारे के खिलाफ तुरन्त एफ. आई. आर. दर्ज करो! और उसे भगोड़ा घोषित करो!

मैट्रोसिटी में किसी सुपर हीरो का जन्म नहीं होने दिया जाएगा!

ऐसे हीरोज को देखते ही गोली मारने के आदेश हैं!

आखिर कानून भी कोई चीज है! यहां न्याय के लिए नागरिकों की आस्था कानून पर होनी चाहिए, न कि किसी सुपर हीरो पर!

पाण! शायद इंस्पेक्टर कानखजूरे को मालूम नहीं है कि सुपर हीरो कांस्पेट शुरू ही कानून और पुलिस की अक्षमता के कारण हुआ है!

"या इंस्पेक्टर स्टील-"

"चाहे वो परमाणु हो-"

"वो डोगा हो-"

"या नागराज-"

"सुपर कमांडो ध्रुव हो-"

"या तिरंगा-"

"स्पेक्टर हो-"

"या कोई और-"

हरेक का एक अतीत है! जिसमें त्रासदी है! दुख है! हताशा है.

विवशता है! कसमसाहट है! अंतर्द्वन्द्व है! कुलबुलाहट है! हालात हैं!

ये वो CIRCUMSTANCES हैं जिन्होंने एक आम इंसान को अपनी जान पर खेलकर सुपर हीरो बनने पर विवश कर दिया!

पुलिस को कितने भी अधिकार दे दो! मगर CORRUPTION की दीमक भी तो चुप नहीं बैठती! वो उन अधिकारों को कुतरती जाती है!

जहां अधिकार कुतरे जाते हैं वहां आम आदमी किसी न किसी जुल्म का शिकार हो जाता है! तब सुपर हीरो पैदा होते हैं! और एक दिन मैं ये बात साबित कर दूंगी कि वो जो भी था, उसकी कहानी भी बाकी सुपर हीरोज से अलग नहीं थी!

लेकिन फिलहाल तो सबसे पहले मैं अपनी फिल्म किसी न्यूज चैनल के जरिए मैट्रोवासियों को दिखाऊंगी...

... ताकि मैट्रो के सख्त कानून बनाने वाले भी ये देख लें कि आर. डी. एक्स. लेकर मैट्रोसिटी में पहुंचने वालों तक पहुंचने से पहले पहुंचने वाला हारून वो सुपर हीरो ही था... जिसका नाम मैट्रोसिटी में अभी कोई नहीं जानता!

मगर अब जानेगा!

मैट्रो सिटी में ये कौन आया? कहां से आया? क्यों आया?

कोई नहीं जानता था-

मगर अब जान रहे थे-

ये वही है!

H_2SO_4

कौन है ? जिसे पहले कभी नहीं देखा गया था ! उसे डोगा, शक्ति, डेस्पेक्टर स्टील, परमाणु, तिरंगा इत्यादि कैसे जानते थे ?

हो न हो ! ये वही है !

वो जो भी है उन आंखों को बुरी तरह से खटक गया था-

हां, वे आर. डी. स्क्वैड मेरे आदमी लेकर आए थे! मैट्रोसिटी की तबाही के लिए!

मैट्रोसिटी मेरा सपना है सपना!

मैट्रोसिटी को मैं विक्रांत की मैट्रोसिटी से कहीं और ज्यादा आधुनिक बनाना चाहता था!

लेकिन मैट्रोसिटी के विकास के लिए चुन लिया गया विक्रांत को।

METRO CITY

लेकिन मेरा सपना भी टूटा नहीं है! वो साकार होगा!

विक्रांत की मैट्रोसिटी की तबाही के बाद उसे मैं साकार करूंगा!

मैट्रोसिटी के इस मौजूदा मॉडल की तरह एक दिन सचमुच समूची मैट्रो सिटी को तबाह होना होगा! अब यही मेरा लक्ष्य है!

मौजूदा मैट्रोसिटी की कमजोरियों को ढूंढना होगा मुझे। मैट्रोसिटी की खूबसूरती पर ग्रहण लगाना होगा! ऐसा ग्रहण कि रैड जाइब्रो को सभी याद रखेंगे।

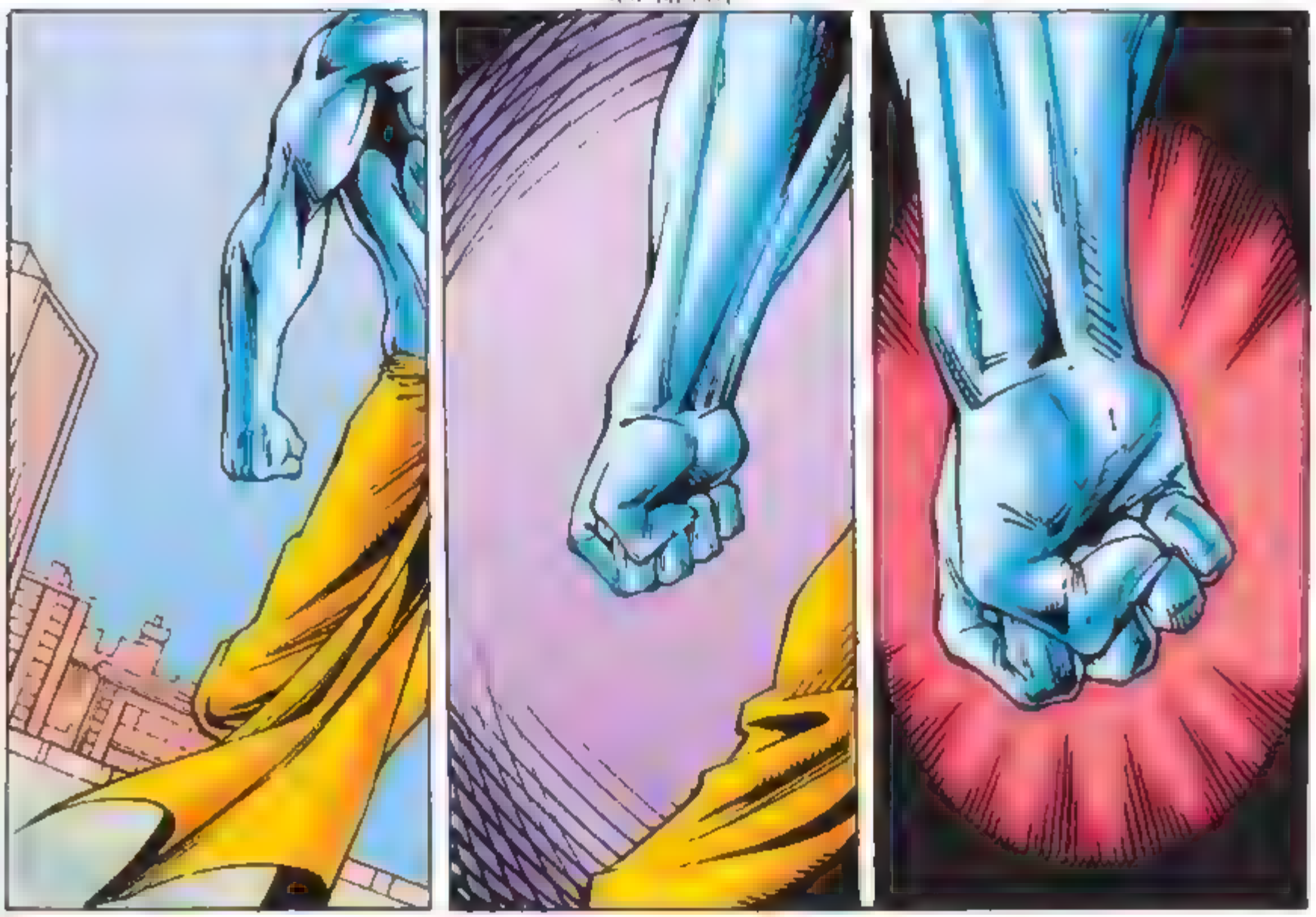

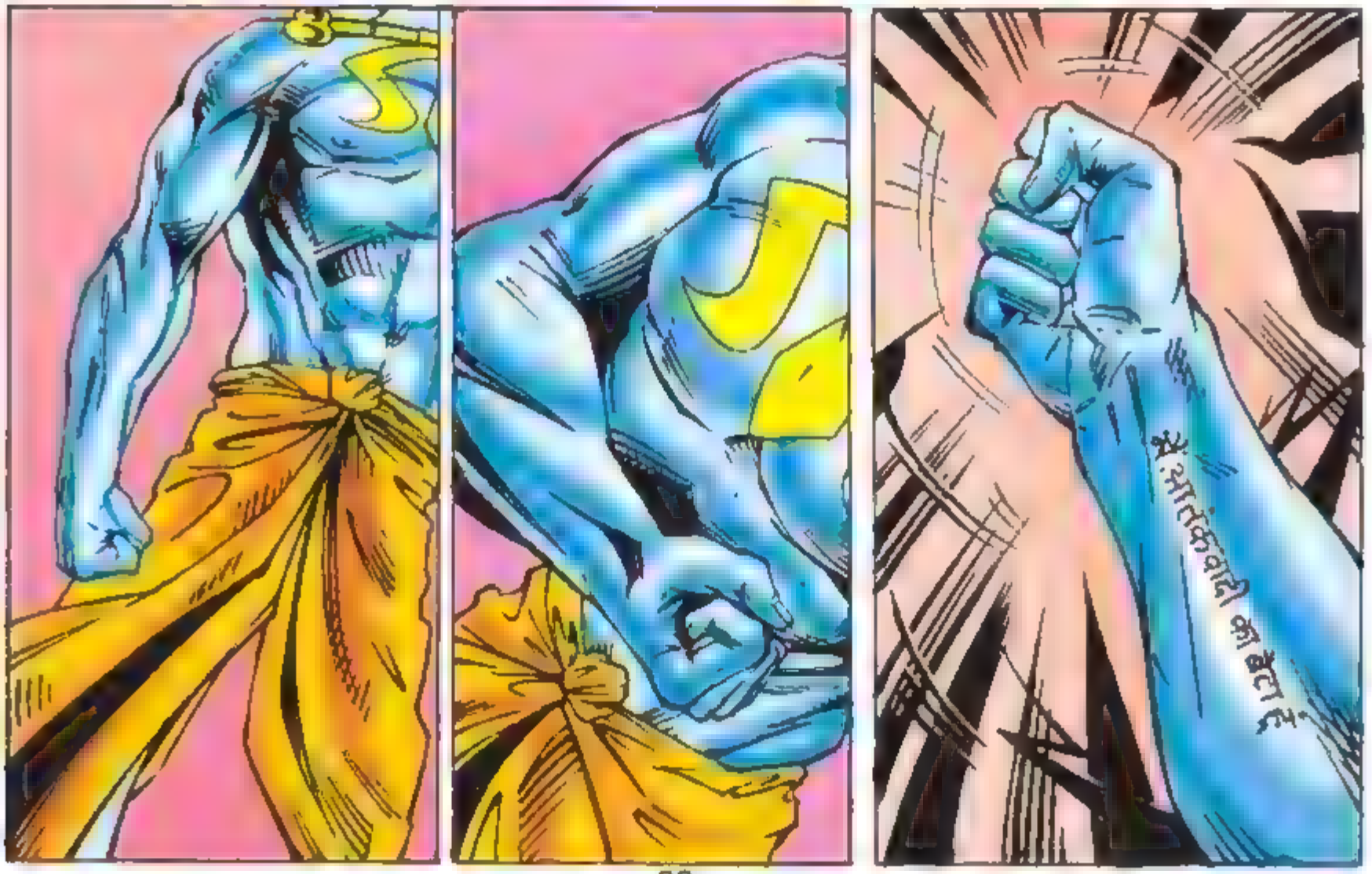
मैं आतंकवादी का बेटा हूं

ये लिरबावट मेरी जिन्दगी पर एक ग्रहण है मीठी!

मैं कभी भी इससे छुटकारा नहीं पा सकता।

ये मेरा वो अतीत है जो वर्तमान में भी मेरा पीछा नहीं छोड़ेगा।

ये लिरबावट हत्यारी है।

इसने मुझे हत्यारा बना दिया।

इसे प्लास्टिक सर्जरी से छिपाया जा सकता है अमन! एक मामूली सी कॉस्मेटिक सर्जरी तुम्हारे इस काले अतीत को भूलने में तुम्हारी मदद कर सकती है!

कोई फायदा नहीं होगा मीठी! ये लिरबावट मेरे दिल, जिगर और दिमाग पर छप चुकी है।

और वहां उन जगहों पर प्लास्टिक सर्जरी नहीं हो सकती !

और मैं क्यों करवाऊं प्लास्टिक सर्जरी ?

जिस तरह सच को झूठ के आवरण से ढका नहीं जा सकता ! ठीक उसी तरह इस हकीकत को भी दुनिया की कोई प्लास्टिक सर्जरी मिटा नहीं सकती !...

...कि मैं हत्यारा हूं ! हां, ये हकीकत है कि मैं हत्यारा हूं ! मैं अपने मां-बाप का हत्यारा हूं ! हां, मैंने उन्हें बड़ी ही बेरहमी से कत्ल कर दिया ! मार डाला उन्हें ; क्योंकि... क्योंकि...

अमन की आंखें एक बार फिर अपने उस काले अतीत की कल्पनाओं में खो रही थीं जिन्हें वो इन्हीं आंखों से हजारों बार देख चुका था-

क्या कोई जगह ऐसी हो सकती है, जहां हर ओर आतंकवादियों का साम्राज्य हो ? जहां आतंकवादी हाथों में हथियार लिए बेरोकटोक घूमते हों ! जहां बाकायदा आतंक फैलाने की ट्रेनिंग दी जाती हो ! जहां बड़ी इज्जत के साथ आतंकवादी तैयार किए जाते हों ! जहां लोग खुद को आतंकवादी कहलाने में फख्र महसूस करते हों -

अफ़ाकिस्तान की हुकूमत सुप्रीमो अहंकारी-

तुममें से जो उस गोल्ड कॉयन को मेरे पास लाएगा, किर्गीस्तान प्रोजेक्ट में उसे ही दूंगा!

सिक्का हासिल करने की होड़ लग गई-

ओफ्फ!

मगर इसे पाना इतना आसान नहीं है रक्सूट!

सिक्के को छोड़ दे!

हम्फ!

उसने छोड़ा मैंने पकड़ा!

तू भी छोड़!

धाड़

हम्फ! ओफ्फ!

इस प्रोजक्ट में जबरदस्त पैसा है!

शाबाश! शाबाश! जल्दी सिक्के को मेरे पास लाओ!

आह

रुबोल मुट्ठी, सिक्का मुझे दे

ये सब क्या हो रहा है अहंकारी?

खेल!

आओ, आओ, वाइस सुप्रीमो वाजिब रवान! तुम भी देखो! हां, ये खेल है, और चुनाव भी! किर्गीस्तान में आतंकवाद फैलाने का कांट्रेक्ट मिला है और ये प्रोजेक्ट मैं किसको दूं इस बात का फैसला मैं इस खेल से कर रहा हूं! खेल का खेल और काम का काम! हा हा हा!

ये ठीक है अहंकारी कि तुम्हारे दादा अर्बुरहमान की सत्ता पलटकर हमने पूरे एक देश पर अपना कब्जा करके तुम्हारे दादा और उसके समर्थकों को कैद में डाल दिया है!

ये भी ठीक है कि हमारे पास आज के जो भी साधन व स्त्रोत हैं वो किसी भी देश में गैरकानूनी माने जाते हैं! सारा विश्व जानता है कि मोटी रकम लेकर हम विश्व के कई देशों को आतंकवादी सप्लाई करते हैं! हमारे यहां अफीम की जबरदस्त पैदावार है जिसकी पूरे विश्व में खासी डिमांड है!

लेकिन ये क्या जरूरी है कि हम अपने काम को खेल या मनोरंजन का साधन बनायें!

देखो उस गोल्ड कॉयन को पाने के लिए हमारे लोग किस प्रकार हिंसक और घायल हो रहे हैं!

मेरा दादा भी हिंसकता के खिलाफ था! इसलिए हमारे आदमियों का हिंसक होना बहुत जरूरी शर्त है वाजिद रवान!

इसी हिंसकता के कारण हम पूरे वर्ल्ड में जाने जायेंगे!

हममें ये हिंसकता, ये दरिन्दगी खत्म हो गई तो हम खत्म हो जायेंगे! अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश हमें रौंद डालेंगे!

अहंकारी! ये लीजिए, मैं गोल्ड कॉयन ले आया!

वाह! किर्गीस्तान वाले कंट्रेक्ट के चीफ तुम बनाए जाते हो बूचड़!

वहां पर रूसों और कालों के बीच दंगे करवाने हैं! जगह-जगह पर आतंकवाद की आग भड़कानी है! किर्गी सरकार की नाक में दम करना है! इससे उस तीसरे देश को फायदा होगा जो हमें पैसा दे रहा है! उस देश को हथियारों के बड़े आर्डर मिलेंगे! हा हा हा!

फिलहाल तो मुझे किर्गी सरकार का ऑर्डर मिला है अहंकारी! तुझे खत्म करने का! मैं तेरा आदमी बूचड़ नहीं, उसके वेश में किर्गी का जासूस विलियम बूथर हूं!

मैं जानता हूं कि मैं भी यहां से बचकर नहीं जाऊंगा लेकिन अपने देश किर्गीस्तान की शांति के लिए मुझे अपनी कुर्बानी भी मंजूर है!

आह!

चारों ओर से न जाने कितनी गोलियां विलियम पर बरसीं-

आऽऽह! किर्गि... स्... ता... न... ज... जिं... दा... बाद... !

किर्गिस्तान नहीं... अहंकारी जिन्दाबाद!

अफ़ाकिस्तान जिन्दाबाद!

ऐसे ही किसी आपातस्थिति से निबटने के लिए हर समय तैयार खड़ी रहने वाली एम्बुलैंस अहंकारी के घायल जिस्म को लेकर तेजी से दौड़ी-

सुप्रीमो अहंकारी बुरी तरह घायल हो गए हैं! अस्पताल के सभी डॉक्टरों को एमर-जेंसी में तैयार रखो!

अफ़ाकिस्तान के उन नागरिकों में खुशी की लहर फैल गई, जो शांति से जीना चाहते हैं-

खुदा उस वहशी को जहन्नुम रसीद करे!

उसके कारण मेरा बेटा आतंकवादी बना और मारा गया! खुदा उसे गारत करे!

मुंह मीठा करो!

पोते की खबर दादा के पास जेल में ही पहुंची-

या अल्लाह! कितना समझाया था उसे कि बुरे काम का बुरा नतीजा होता है! पर वो नहीं माना! बढ़ाने चाहिए थे दोस्त! मगर वो अपने दुश्मनों की संख्या लगातार बढ़ाता रहा! यहां तक कि दादा को भी अपना दुश्मन बना लिया! किसी पोते ने अपने दादा की पीठ में यूं खंजर न भोंका होगा! अल्लाह उसके कर्मों का हिसाब लेगा वाजिब खान!

मगर उससे कहना कि दादा अपने पोते की जिन्दगी के लिए दुआ करेगा! अपनी एक नमाज उसके लिए पढ़ेगा! अल्लाह उसे सद्बुद्धि दे! मौत उसके इरादों को आए, मेरे पोते को नहीं!

दादा की दुआ पोने को लग गई-

ऑपरेशन पूरे छः घंटे चला, मगर सुप्रीमो अब खतरे से बाहर है! तुम उससे मिल सकते हो वाजिब खान, मगर ज्यादा बातें न करना!

KEEP YOUR CITY CLEAN

ज्यादा बातों की गुंजाइश भी नहीं थी-

क्...किर्गिस्तान को अंजाम भुगतना होगा!

क्या करना चाहते हो?

"रासायनिक हमला-"

AFAK!

ये हमला दूसरे देशों के लिए नसीहत होगा!

हाहाकार मचा! पलक झपकते ही किर्गिस्तान एक विशालकाय कब्रिस्तान में बदल गया-

सुप्रीमो के घायल होने पर इन्होंने मिठाइयां बांटी थीं! ये लोग काफिर हैं! इन्हें खत्म कर दो!

अमेरिका के व्हाइट हाऊस तक उस धमाके की गूंज पहुंची थी-

सी. आई. ए. को ये कंफर्म था कि अहंकारी के पास कम से कम एक रासायनिक बम है! आखिर हमारी गुप्तचर संस्था की ये धारणा सही निकली! आज के इसी वजह से हमने अफगानिस्तान पर हमला नहीं किया था! मगर अब किर्गिस्तान पर वह इकलौता बम फट जाने के कारण वो वजह खत्म हो गई! अब हम ये अवसर नहीं चूकेंगे!

प्राणघातक खतरे के प्रति सचेत था अहंकारी-

उत्तराधिकारी? ये तुम क्या कह रहे हो अहंकारी? तुम्हारा उत्तराधिकारी कहां से आएगा, और फिर किसलिए?

भरोसा नहीं रहा वाजिब खान! जिन्दगी पर भरोसा नहीं रहा!

अगर वो धोखा दे गई तो आतंक का इतना बड़ा जो साम्राज्य कौन संभालेगा जिसे मैंने खड़ा किया है! मेरे बाद इस साम्राज्य को संभालने के लिए मेरे जैसा ही खौफनाक विचारों वाला आदमी होना चाहिए जिसका नाम सुनते ही देश की सरकारों की जड़ें हिल जाएं!

इतनी मेहनत से तैयार किए गए इस साम्राज्य को यूं तबाह होने नहीं देख सकूंगा वाजिब खान!

म... तो क्या मैं वो उत्तराधिकारी नहीं बन सकता!

तुम? हा हा हा! मुझे ऐसा उत्तराधिकारी चाहिए जो वक्त पड़ने पर अपने बेटे का गला भी काट दे! तुममें वो हिम्मत नहीं है वाजिब खान!

ये काम मेरा प्लानिंग मिनीस्टर तुरुपा करेगा।

जल्दी ही- विश्व के कुछ कुप्रसिद्ध खौफनाक तेज नर्राए और खूंखार, ऐसे ऐसे अपराधी आपके उत्तराधिकारी हो सकते हैं सुप्रीमो जिन्होंने अपने- अपने देश की पुलिस की नाक में दम कर रखा हो, और अंतर्राष्ट्रीय कुख्याति अर्जित कर रखी हो!

ऐसे कुछ नाम बताओ!

वंडरवुमैन का नाम तो सुना होगा आपने! अंडरवर्ल्ड में उसका नाम बड़ी इज्जत से लिया जाता है!

"इसके अलावा पहेलियों का जादूगर काल पहेलिया-"

"क्राइम स्कूल का हैडमास्टर प्रिंसिपल-"

"कैमिकल एक्सपर्ट रसायन-"

"और मशीनों का खिलाड़ी मैकेनिक-"

ये कुछ ऐसे नाम हैं, जो अपनी- अपनी फील्ड के महारथी हैं!

और अपने- अपने इलाकों की पुलिस की नाक में दम किए हुए हैं!

इनके अलावा मैंने वो नाम भी सुने हैं, जिन्होंने इन सबकी नाक में दम कर रखा है!

खाकी रात का रक्षक डोगा। दिल्ली की आंख परमाणु। देश भक्त डिटेक्टिव तिरंगा! कानून का रक्षक इंस्पेक्टर स्टील और नारी शक्ति की प्रतीक शक्ति!

नहीं, नहीं तुरुपा! ये सभी अपराधी अपने इन दुश्मनों को आज तक खत्म नहीं कर पाए! इसका मतलब ये हुआ कि ये लोग परिपूर्ण नहीं हैं!

और कहीं न कहीं इन सुपर हीरोज के आगे कमजोर पड़ते हैं!

मेरा उत्तराधिकारी तो ब्रिलियेंट, नाना शाह, अपने मन का राजा, तेज तर्रार, सारी दुनिया से सौ कदम आगे चलने वाला और उसे अपने कदमों में झुकाने वाला होना चाहिए ! है कोई ऐसा तो बताओ !

अ... ऐसा तो कोई नजर में नहीं है सुप्रीमो !

मगर मेरी नजर में है, तुरुपा !

कौन बोला ?

मैं खुद !

क... क्या मतलब सुप्रीमो ? अपने उत्तराधिकारी तुम खुद ? तो फिर उत्तराधिकारी शब्द पर जोर क्यों ?

उत्तराधिकारी, यानी वारिस तो चाहिए वजिंदखान ! मेरे अलावा और मेरे जैसा ही चाहिए !

आपके अलावा आप ही के जैसा चाहिए ? आप तो काल पहेलिया की पहेली बनते जा रहे हैं सुप्रीमो ! आखिर आपकी बात का मतलब क्या है ?

तो पढ़ो इसे ! इसे पढ़कर ही इस पहेली ने मेरे दिमाग में जन्म लिया है।

इसमें ऐसी कौन सी खबर छपी है सुप्रीमो जो इंटरनेट से कनैक्टिड मेरे लैपटॉप में नहीं है!

पढ़ो, फिर पूछना!

मानव क्लोन!

समाचार पत्र

मानव क्लोनिंग एक सामाजिक सवाल?

क्लोनिंग? इस पर तो सैकड़ों सवाल उठ रहे हैं!

सवालों को उठने दो वाजिब खान। हमें अपना मतलब उठाना है!

अमेरिका में क्लोन बच्चा पैदा करने की प्लानिंग पर वैज्ञानिक काम कर रहे हैं। मेरे लिए इतनी जानकारी काफी है!

क्या तुम उस क्लोन बच्चे को गोद लोगे? अपना उत्तराधिकारी बनाने के लिए।

अंग्रेजों का बच्चा गोद लेकर मुझे दोजख में अपना आरक्षण नहीं करवाना!

बच्चा तो वो क्लोन ही मेरा उत्तराधिकारी होगा!

लेकिन... क्लोनिंग के लिए डी.एन.ए. भी मेरे होंगे!

ऐसी- ऐसी खबरें सुनकर दादा की छाती फटी जा रही थी -

या-अल्लाह! क्यों दुआ की मैंने उस शैतान की जिन्दगी की! क्यों नहीं मौत मांगी खुदा से उसके लिए! हजारों-लाखों जानें लेकर भी उसके खून की प्यास नहीं बुझी!

नहीं वाजिब खान! ऐसा मत होने देना!

वो रक्तबीज है! एक ऐसा राक्षस जिसके एक खून की बूंद से एक और रक्तबीज पैदा होगा!

फिर क्लोनिंग तो सुना है कि हू-ब-हू वैसा ही पैदा करनी है!

तुम्हें खुदा का डर्ता है वाजिब खान! शैतान का क्लोन बच्चा पैदा न होने देना, वरना वो करोड़ों मारेगा!

अगर तुमने ऐसा होने से न रोका तो खुदा का कहर तुम पर भी टूटेगा! या... या फिर मुझे आजाद कर दो! मैं खुद कुछ करूंगा! ये हड्डियां बूढ़ी सही, मगर नाकाम नहीं हुई हैं!

मेरे हाथ में कुछ नहीं है दादा-जान, मैं कुछ नहीं कर सकता!

अमेरिका के सर हार्वड- क्लिंटन इंस्टीट्यूट ऑफ क्लोनिंग में डॉक्टर हीथ्रो के नेतृत्त्व में कुदरत के काम में इंसानी हस्तक्षेप की पूरी चेष्टाएं जारी थीं-

डॉक्टर हीथ्रो ! आप बतायेंगे ये क्लोनिंग है क्या बला ? कैसे होती है ?

आफकोर्स ! I AM TELLING YOU!

क्लोनिंग के तहत किसी डिंब से केन्द्रक NUCLEUR निकाल लिया जाता है और उसकी जगह दाता मां या पिता[1] का डी. एन. ए. डाल दिया जाता है!

अगर इस डी.एन.ए. को कंप्यूटर की सी.डी. या फ्लापी मान लें और डिंब को कंप्यूटर तो नया डी. एन. ए. डिंब की फिर से प्रोग्रामिंग करता है और वह दाता का समूचा जेनेटिक कोड उसमें डाल देता है!

आसान शब्दों में ये समझ लो कि अपनी कोशिश से अपनी कार्बन कापी तैयार कर लेना ही क्लोनिंग है!

मुझे आपके कुछ फोटोग्राफ्स चाहिए! अकेले में!

W..WHY NOT?

PRESS

[1] डी-ऑक्सीरिबो न्यूक्लियर एसिड।

सुप्रीमो अहंकारी उस वक्त अकेला नहीं था-

हा हा हा! बाजिब रवान! अब मुझे फिक्र नहीं रही! मेरा उत्तराधिकारी... मेरा क्लोन अमेरिका के सर हार्वड क्लिंटन इंस्टीट्यूट क्लोनिंग के डॉक्टर हीथ्रो के नेतृत्व में अपनी होने वाली मां के गर्भ में प्लांट किया जा चुका है! मेरे एजेंट ने फोटोग्राफर के रूप में उससे हमारा काम निकलवा लिया है!

मुबारक हो सुप्रीमो!

बाजिब रवान! हमारे इस क्लोन बेबी की मां सलीना जो कि वहां अमेरिका में हमारी रवुर्राट एजेंट है, उसने अमेरिका में एयर इंडिया के प्लेन हाइजैक ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया था, वो फ्लाइट 747 से यहां पहुंच रही है! उसे सुरक्षित यहां तक लाना तुम्हारी ड्यूटी है!

मैं उसे हिफाजत से ले आऊंगा अहंकारी!

अब तो जश्न होना चाहिए सुप्रीमो!

हां ! जश्न होना चाहिए तुरुपा, क्योंकि अब मैं अपने उत्तराधिकारी की फिक्र से मुक्त हो गया हूं !

मेरा उत्तराधिकारी ! जो मेरे जैसा होगा !

चाल में ! ढाल में ! प्रकृति में ! स्मृति में ! साम, दाम, दंड, भेद नीति में ! शक्ल में ! अक्ल में !

हा हा हा !

मैट्रोसिटी की नीली शांत समुद्री सतह को चीरकर पनडुब्बी की तरह बाहर आकर उस तूफान ने मैट्रोसिटी की ओर रुख किया था-

वरुऽऽऽम

शहर से बीस किलोमीटर की दूरी उसके लिए कोई मायने नहीं रखती थी-

मैट्रो कोस्ट गार्ड्स अपनी गनें भी सीधी नहीं कर पाए-

ये न तो पनडुब्बी है, न कोई बोट! न शिप! न हवाई जहाज!

WELCOMES YOU

वो मैट्रोसिटी की तरफ आ रहा है! सिक्योरिटी को एलर्ट करो!

DP

THIS IS DOCK'S PATROL!

एक अनजान खतरा मैट्रोसिटी की तरफ बढ़ रहा है!

बस ! मुझे यहीं पर रुकना होगा मीठी !

कुछ देर और रुको ! अमन ! कभी- कभी सब कुछ कह देने से मन हल्का हो जाता है !

करूंगा ! मगर इस वक्त मुझे कोई खतरा मैट्रोसिटी की ओर बढ़ता दिख रहा है !

हम इतनी ऊंचाई पर खड़े हैं ! तुम्हें कैसे पता कि जो बढ़ रहा है वो खतरा ही है !

मेरी आंखों पर लगे विशेष टेलीस्कोपिक लैंसों के कारण !

जिनके देखने की क्षमता को मैं दूरी के अनुसार घटा-बढ़ा सकता हूं !

और वक्त है अब मेरे बदलने का !

मेरी सोचें ! मेरे विचार ! मेरा चरित्र ! मेरा लुक !

तब मैं अमन नहीं रहता...

!

... तब मैं बन जाता हूं...

"... सुपर इंडियन-"

उफ़! तुम चले गए अमन! और... और मैं सोच रही थी कि आज तुम अपने अतीत की यादों के साथ मेरा ज़िक्र भी करोगे!

मैं सोच रही थी तुम मुझे बताओगे कि मेरे लिए तुम्हारे दिल में क्या स्थान है?

मगर शायद अभी उसका वक़्त नहीं आया!

मुझे उस वक़्त का इंतज़ार रहेगा, अमन! गॉड ब्लेस यू!

आपातकालीन सूचना प्राप्त होने ही डॉक पर मौजूद कोस्टगॉर्ड सतर्क हो चुके थे-

सूचना ठीक है! लड़ाकू विमान के डिजाइन की वह कोई मोटर बोट है!

...फाइटर बोट!

फायर! उसे रॉकेट लांचर दागकर उड़ा दो!

ज़ुम्म

मगर...

मोटर बोट या...

मेरे पास स्पीड कंट्रोलर मशीन है, जिसका प्रयोग कानून का उल्लंघन करके तीव्र गति से भगाने वाहनों को धीमा करके उन्हें पकड़ने के लिए किया जाता है। शायद ये मिसाइलों की गति भी नियंत्रित कर पाए।

... उसने तो पहले ही मिसाइल दाग दिए हैं!

मिसाइलों का निशाना मैट्रोसिटी है!

व्हीस्स

सिक्श

उनकी गति चालीस प्रतिशत तक कम हो चुकी है!

बड़म

धम

अब हम उन्हें अपनी लांचर और गनों का निशाना बना सकते हैं। देट्स सो गुड शॉट!

हमने दो मिसाइलों के परखच्चे उड़ा दिए!

गोलियां उन पर बेअसर हैं!

बाकी के चारों मिसाइल तबाही मचा देंगे!

धड़ंम धड़ंम

मेरे रहते...

विलेच

छींSSS

छींSSS

... हर्गिज नहीं!

सुपर इंडियन के दसों नारवून उन बॉडीज में धंस गए थे-

ठीक वैसे, जैसे बाज चिड़िया को दबोच लेता है-

अगर मैं परमाणु की तरह उड़ सकता होता!

या शक्ति की तरह मुझमें प्रकाश की गति होती तो इन मिसाइलों को सीधे अंतरिक्ष में छोड़ आता!

लेकिन...

... मैं केवल सुपर जम्प लगा सकता हूं! जम्प लगाने के बाद अगर मैं वायु में मौजूद किसी ऑब्जेक्ट को पकड़ता हूं तो मेरी गति बाधित होती है, जिसके तुरन्त बाद मैं नीचे गिरने लगता हूं!

ऐसे में मेरे वैपनरी ब्रेसलेट को मुझे एक्टिव करना होगा!

और ये मेरी आवाज पर भी एक्टिव हो जाते हैं!

लैफ्ट वैपनरी ब्रेसलेट एक्टिवेट रोप मोड।

वैक्यूम वॉल्व के जरिए इमारत से जा चिपकी ये रस्सी मुझे इन ऊँची इमारतों की ओर दिशा प्रदान करनी है!

... और मैं अपने विशेष जूतों व हथेलियों के वैक्यूमाइज्ड बाल्वों के जरिए छिपकली की तरह दीवार से जा चिपकता हूं!

मैट्रो हीरो!

ये है असली देश का बेटा!

मगर कौन है ये?

मैं उसी से पूछता हूं!

लेकिन मुझे उनके इन प्रश्न में कोई दिलचस्पी नहीं!....

स्विंग

क्योंकि मेरी टेलीस्कोपिक आईज समुद्र के सस्ते मैट्रो की ओर बढ़ते टारपीडोज़ को साफ-साफ देख रही है!

कुछ लोग मेरा परिचय जानना चाहते हैं!

ये उसी विचित्र गटर प्लेन से छोड़े गस हैं!

इनका मकसद बिल्कुल साफ है!

मैट्रो की तबाही!

धुआँ

लेकिन मैट्रो की तरफ जाने वाली हर तबाही की दिशा में बदल दूंगा!

मेरा काम हो गया! अब मुझे यहां से हट जाना चाहिए! क्योंकि...

... टार पीडोज इसी ओर ब्लास्ट होंगे!

बड्डम!

बस! तबाही के और दूतों को अब मैं आजाद नहीं होने दूंगा!

इस वक्त मैं उस वाटर प्लेन के ठीक नीचे हूं! और बिल्कुल ठीक जगह पर हूं!

यहां से इसकी मोटी स्टील की चादर को लेजर बीम से गलाकर मैं उस शैतान के सामने पहुंच सकता हूं!

तो तुम हो वो जो मैट्रो की नाक में दम किए हो! कारण भी होगा!

क... कौन हो तुम?

NO

अभी तू नीचे आएगा !

क्यों ?

पता लगा ? मगर घबरा मत ?

मगर अफसोस! अपनी तबाही का मंजर नहीं देख पाएगा!

इंस्पेक्टर कानरवजूरे पुलिस 'हाइवे' पर था-

किर्रीऽऽश

हां! हमें खबर मिल चुकी है!

हम पुलिस हाइवे पर हैं! जहां से पुलिस की किसी भी पैट्रोल कार को किसी भी घटनास्थल पर पहुंचने में तीन मिनट लगते हैं! शहर के ट्रैफिक जाम से बचने के लिए हाइवे बनाया गया है!

पुलिस पैट्रोल कार घटनास्थल पर तीन मिनट में ही पहुंची थी-

OPEN THE LADDER! क्विक! हरी अप!

घर्रर्र

सबकुछ हाईटेक था-

मगर-

वो पता नहीं कौन था! कोई उसे देव का बेटा कह रहा था! कोई मेट्रो हीरो!

अगर वो समय पर नहीं आता तो मैट्रो सिटी की तबाही निश्चित थी! क्योंकि हम केवल दो मिसाइलों को ही नष्ट कर पाए थे!

'शहर' बचाने की कोशिश कर रहा है, मगर तुम उसे हीरो बनाने की कोशिश मत करो!

जिसे कानून ने जो अधिकार नहीं दिए हैं, अगर वो उनका प्रयोग करता है तो वो हीरो नहीं, विलेन है!

हैलो! पुलिस कंट्रोल रूम! ITS EMERGENCY!

POL

मैट्रो सिटी एक्सप्रेस पर कोई गड़बड़ है! इस वक्त सबसे पास हम ही हैं! हरी अप! मूव फास्ट!

मैट्रो सिटी प्वांइट पर भारी गड़बड़ थी-

उधर शायद आग लगी है!

लगी नहीं है! लगाई है मैंने! तुम मुझे लावा कह सकते हो!

ओफ्फ!

उफ्! चेहरा बचाते-बचाते हाथ जल गए!

ये मैट्रो सिटी तबाह होगी! वो RECONSTRUCT होगी!

स्किऽऽऽ

उसे रोकना होगा!

आज जलेगी मेट्रो सिटी!

THE EQUALE

* CONDITION APPLY

अभी तूने वो आग नहीं देखी जो शब्दों के रूप में मेरी कलाई पर जल रही है!

वो जल रही है! तुझ जैसे शैतानों को जलाने के लिए!

SURE

हुम्फ!

तू बार-बार मेरे रास्ते में आ रहा है!

बार-बार!

इसका मतलब इससे पहले भी मेट्रो सिटी को दो बार तबाह करने की जो कोशिशें हुई हैं, उसमें भी उसी का हाथ है जिसने इसे भी भेजा है!

तेरा चेहरा मेरे मुंह के सामने है, जो ज्वाला मुखी की तरह अपना लावा तेरे चहरे पर उगलेगा !

आज वहां सिर्फ जली हुई खोपड़ी बचेगी ! हम्फ !

सुपर इंडियन के उस शक्तिशाली प्रहार से लावा उगलने को तैयार मुंह अचानक बंद हो गया-

परिणाम स्वरूप लावा का सिर प्रेशर कुकर की तरह एक तेज धमाके के साथ फट गया-

ओह! ये तो रोबोट निकला! मगर ये बोल कैसे रहा था? जरूर रेडियो ट्रांसमीटर के जरिए!

WELCOME TO METRO CITY

इसका मतलब इसका निर्माता भी आसपास ही होना चाहिए!

मगर कहां?

मेरे विचार में तू मेरे बारे में ही सोच रहा है ? वो मैं ही हूं ; मुझे कहते हैं रैड आई ब्रो !

इस मैट्रो सिटी की तबाही मेरा लक्ष्य है !

और मेरे लक्ष्य के रास्ते में जो आएगा, उसकी तबाही भी !

ओफ्फ!

कुत्तों को मारने से पहले 'पकड़ना' चाहिए, ताकि कहीं वो काट न लें!

तू पकड़ा तो गया है! अब मरने के लिए तैयार हो जा!

हर जिन्दा प्राणी की तरह एक दिन मेरा भी अंत होगा! मगर मेरा दृढ़ विश्वास है कि ये अंत किसी अपराधी या आतंकवादी के हाथों नहीं होगा!

और मैं अपने इस विश्वास या CONFIDENCE को टूटने नहीं दूंगा...

हिंदू

...अपराध और आतंकवाद के भयानक जबड़ों को तोड़ डालने के लिए जन्म हुआ है मेरा! उसे तोड़ूंगा!

तड़तड़

धांय धांय
हा हा हा ! मेरा सिर से पांव तक का शरीर बुलेट-प्रूफ से ढका है !
तेरी गोलियां मेरा सीना चीर नहीं पायेंगी !

इंस्पेक्टर कानरवजूरे इस बार वक्त रहते पहुंच गया था-

वहां हंगामा मचा है! एक तो वही है! वही जिसे सब मैट्रो हीरो कह रहे थे!

दूसरा भी कोई है!

दोनों को पकड़ना है!

OPEN THE LADDER

WELCOME TO METRO CITY

12

METRO POLICE

सर! लैडर में कुछ गड़बड़ है! शायद उसका मैकेनिज्म, कुछ गड़बड़ है!

ओ नो! उसे रोको! जल्दी!

रैड आइब्रो ! अब तू अपना हेलमेट हटाने पर मजबूर हो जाएगा !

ड्रिल की तरह तेजी से घूमती हुई इंजेक्शन की सुई रैड आइब्रो के पुत्त मास्क हेलमेट का शीशा चीरकर अंदर घुस गई-

ये क्या है ?

फिच

इस कैप्सूल इंजेक्शन में जहरीली गैस भरी है, रैड आइब्रो! अगर तूने तीस सेकंड में अपने चेहरे से हेलमेट न हटाया तो ये जहरीली गैस तुझे मार डालेगी!

नहीं!

मैंने ये तो तुम्हे बताया ही नहीं कि अगर तूने ये हेलमेट हटाया तो फिर तू गैस से नहीं...

...लेजर बुलैट से मरेगा!

जो शरीर में जाकर फटती है तो शरीर चिथड़े-चिथड़े हो जाता है!

धड़ाम

ओह! ये भी जीता-जागता इंसान नहीं, बल्कि इंसान द्वारा कंट्रोल किया जा रहा रोबोट ही था!

ओफ्फ!

किसने फेंका ये चाकू?

लोग चाहे तुम्हे देश का बेटा कहें या मेट्रो हीरो ! मुझे रेड आइब्रो कहते हैं। जिसे तूने मारा है वो मेरा सुपर स्किन डमी रोबो था !

तेरी मेरी मुलाकात जल्दी ही होगी !

क्योंकि अभी मैं भी जिन्दा हूं ! और मेरा लक्ष्य भी !

तूने ठीक कहा रैड आइब्रो ! मगर तेरे लक्ष्य की तरह मेरा लक्ष्य भी तब तक जिन्दा है जब तक मैट्रो सिटी में तेरे जैसा एक भी शैतान जिन्दा है !

श...शूट हिम !

हां ! उसे शूट करो जो सुपर इंडियन है ! मगर गोलियों से नहीं, कैमरों से, क्योंकि वहां तक तुम्हारी गोलियां अब नहीं पहुंच पायेंगी !

WELCOME METROCITY

सुपर इंडियन ?